अमृतसर-पंजाब। बाघा रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के विश्व शांति सरोवर सेवाकेन्द्र में 'दादी चंद्रमणि वर्ल्ड पीस हॉल' का ब्रह्माकुमारीज़ की अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर माउण्ट आबू से ब्र.कु. हंसा दीदी, पंजाब ज़ोन संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. उत्तरा दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण भाई, अकाल तखत अमृतसर के जत्थेदार ग्यानी गुरबचन सिंह, समाज सेवक डॉ. कमल डालमिया, श्रीमती स्वराज ग्रोवर, डॉ. राजीव देवगन,प्रिंसिपल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अमृतसर, सरदार दिलबाग सिंह,अध्यक्ष मार्किट समिति, शिखा सरीन,पूर्व अध्यक्ष फिक्की फ्लो सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे। दादी चंद्रमणि वर्ल्ड पीस हॉल में 1500 से अधिक लोगों के बैठने की सुविधा है।

मुरादाबाद-उ.प्र.। 'सम्बंधों में मधुरता' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी दीदी, डॉ. बी.के. दत्त, डॉ. दीपाली वर्मा, डॉ. इंदु मणि, मेयर विनोद अग्रवाल, एडीएम सिटी ज्योति सिंह, सीडीओ गाज़ियाबाद अभिनव गोयल, एमडीए डिजाइनको के एम.डी. विपिन लोहिया, ब्रह्माकुमारीज़ के मेरठ सबज़ोन की संचालिका ब्र.कु. आशा दीदी व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों सहित 3000 से अधिक लोग शामिल रहे।

राजसमंद-राज.। जयपुर राजघराने की राजकुमारी एवं राजसमंद जिले की सांसद दीया कुमारी जी को आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् माउण्ट आबू आने का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. पूनम बहन। साथ हैं ब्र.कु. गौरी बहन।

दुर्ग-छ.ग.। नवनिर्वाचित विधायक गजेन्द्र यादव को गुलदस्ता भेंट कर बधाई देने के साथ नव वर्ष का कैलेंडर भेंट करते हुए ब्र.कु. रीटा बहन व ब्र.कु. रुपाली बहन।

जानें....

परमात्मा को पाने का सही माध्यम है क्या... !!!

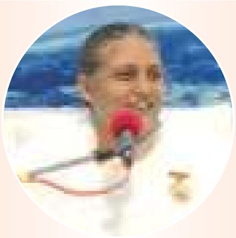

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

एक बार की बात याद आती है, एक ग्वाल बाल था गऊ चराने वाला। और जब वो गायों को लेकर जाता था तो रास्ते में एक खुला मैदान आता था और वहाँ छोड़ देता था। जहाँ सभी गायें घास खाती थी और वो शांति से एक झाड़ के नीचे बैठ जाता था। जंगल में वो अकेला होता था। वो शांति से बैठकर मन ही मन भगवान से बातें करता रहता था। भगवान से कहता था कि हे प्रभु तू भी अकेला है और मैं भी यहाँ अकेला हूँ। थोड़ी देर के लिए तुम आ जाओ, यहाँ बैठेंगे और बातें करेंगे। ऐसे कभी क्या बात करता, कभी क्या बात करता।

एक दिन जब वो जंगल में गायों को घास चरने के लिए छोड़ने के बाद रोज़ की तरह शांति से झाड़ के नीचे बैठा तो उसके मन में विचार आया कि जैसे मैंने गायों को छोड़ दिया वैसे ईश्वर ने भी हमें इस संसार में छोड़ दिया है। हर कोई अपना-अपना कर्म कर रहा है। अब वो भी मेरी तरह कहीं अकेला ही बैठा होगा। तो मन ही मन भगवान से बात करता है कि हे प्रभु तू भी अकेला है, मैं भी अकेला हूँ। मुझे तो पता नहीं तू कहाँ है लेकिन तूझे तो पता है ना है कि मैं यहाँ हूँ। थोड़ी देर आ जाओ बात करेंगे, गपशप करेंगे। टाइम पास करेंगे, अकेला-अकेला बड़बड़ा रहा था। इतने में वहाँ से एक पंडित जी गुज़र रहे थे। पंडित जी ने देखा कि ये लड़का अकेला-अकेला बड़बड़ा रहा है। पूछा कि हे लड़के किससे बात कर रहा है? उसने कहा किसी से नहीं। पंडित जी बोले अरे तू बड़बड़ा रहा है, किससे बात कर रहा है? तो उसने कहा कि बस, भगवान से बातें कर रहा था।

पंडित जी को बड़ी जिज्ञासा हुई कि अच्छा भगवान से बात कर रहा था! क्या बातें कर रहा था? हम भी सुनें। लड़के ने अपने मनोभाव व्यक्त कर दिए कि बस उसको कह रहा था कि बस थोड़ी देर के लिए तुम आ जाओ, बैठेंगे

आत्मा और परमात्मा का मिलन, उससे कनेक्शन दिल से होता है, न कि शब्दों से। क्योंकि हम सभी जानते हैं कि आज तक हम कितने श्लोक, कितनी आरतीयां गाते आये लेकिन कभी उसके दर्शन नहीं कर पाये, उसको कभी पा नहीं सके। पूरा जीवन हमने निकाल दिया लेकिन फिर भी उसके एक दर्शन की प्यासी आँखें उसको ढूंढती रहीं। लेकिन अब हम इस लेख के माध्यम से कहें या इस कहानी के माध्यम से हम समझेंगे कि परमात्मा को पाने का सही माध्यम है क्या!

बातें करेंगे। पंडित जी को बड़ा गुस्सा आया और कहा कि तू जानता भी है कि ईश्वर कौन है? वो कितनी ऊंची हस्ती है। वो क्या गपशप करने के लिए है! टाइम पास करने के लिए है! ये कोई सभ्यता है भगवान को याद करने की? लड़के ने हाथ जोड़कर कहा कि मुझे तो और कुछ नहीं आता, मैं तो हर रोज़ ऐसे ही बातें करता हूँ। कहा, गलत बात ऐसा नहीं करने का। बड़ा फील हुआ उसको और बड़ी हिम्मत जुटा कर कहा कि पंडित जी क्या आप मुझे सीखा सकते हो? क्योंकि मैं रोज़ जंगल में अकेला होता हूँ। मेरा टाइम पास नहीं होता। आप मुझे सिखाइये, तो उस अनुसार मैं याद करूंगा।

पंडित जी ने कहा बैठो सिखाता हूँ। और उसको एक संस्कृत का श्लोक पक्का कराना शुरू कर दिया। अनपढ़ बालक उसको संस्कृत क्या मालूम! उसको एक-एक शब्द रटाते गये रटाते गये, दो घंटे लगे श्लोक रटाने में। सारा श्लोक रटने के बाद पंडित जी ने कहा रोज़ ऐसे ही याद करना अभी। तो कहा कि जी रोज़ ऐसे ही याद करूंगा।

- क्रमशः

कौल-कुरुक्षेत्र(हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ उपसेवाकेन्द्र में दीपावली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अनीता चौधरी,महिला मोर्चा अध्यक्ष भाजपा कैथल, कुरुक्षेत्र सेवाकेन्द्र से ब्र.कु. सरोज बहन, ब्र.कु. पुष्पा बहन, ब्र.कु. उर्मिला बहन सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

राजपुर-बड़वानी-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान नगर अध्यक्षा श्रीमती शिखा अग्रवाल को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. रमेश भाई,माउण्ट आबू। साथ हैं सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रमिला बहन तथा अन्य।

तखतपुर-छ.ग.। 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत कार्यक्रम के पश्चात् डी.एस.पी. गौरव सिंह एवं आई.जी. राजपूत जी को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. ममता बहन।

राँची-झारखंड। दीपावली महोत्सव में दीप प्रज्वलित करते हुए अनुरंजन झा,प्रखंड विकास पदाधिकारी, संजय सिंह,अधिवक्ता, डोमन सिंह मुंडा,सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा, सुनील गुप्ता,आर्ट ऑफ लिविंग, अभयेंद्र जी,समाजसेवी, डॉ. आशीष भगत,डेंटिस्ट, विभूति शंकर सहाय,अभिवक्ता, राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी, श्रीमती अनुरंजन झा, कंचन सिंह,सहायक निदेशक,समाज कल्याण निदेशालय, प्रकाश बजाज,समाजसेवी व सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक, कन्हाई प्रसाद,कार्यपालक अभियंता, एस.एन.पी. गुप्ता,सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता तथा अनूप अग्रवाल।

रीवा-झिरिया(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर संस्थान के कला एवं संस्कृति प्रभाग के तत्वाधान में 'सकारात्मक विश्व के निर्माण में साहित्यकारों का योगदान' विषय पर साहित्यकारों के लिए आयोजित परिचर्चा में डॉ. देवेंद्र कुमार सारस,केंद्रीय जेल अधीक्षक उमरिया, डॉ. चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी चंद्र, डॉ. रामसरोज द्विवेदी(शांतिदूत), नारायण डिगवानी, शायर हशमत रीवानी, मानस विदुषी डॉ. ज्ञानवती अवस्थी, कला एवं संस्कृति प्रभाग की ज़ोनल कोऑर्डिनेटर राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ब्र.कु. वेणुगोपाल भाई,माउण्ट आबू, कवियत्री विदुषी डॉ. अरुणा पाठक, ब्र.कु. डॉ. अर्चना, ब्र.कु. नम्रता बहन, ब्र.कु. दीपक तिवारी आदि मौजूद रहे।

सूरत-अडाजन(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के सायण सेवाकेन्द्र के भूमि पूजन कार्यक्रम में सायन शुगर फैक्ट्री के चेयरमैन राकेश भाई पटेल, ब्र.कु. दक्षा बहन, ब्र.कु. ज्योति बहन, ब्र.कु. योगेश भाई पटेल सहित बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

कादमा-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में 'मेरा गांव नशा मुक्त गांव' रैली का ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए जिला सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार, ब्र.कु. वसुधा बहन, सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी, डॉ. शिल्पा, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी रणधीर सिंह व नरेंद्र सिंह, डॉ. आशीष मान,डिप्टी सीएमओ, डॉ. भूपेंद्र सिंह,एसएमओ, सूबेदार रोहताश सांगवान, झोझूकलां सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति बहन तथा अन्य।

बोकारो स्टील सिटी-झारखण्ड। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में आने पर ज्ञानचर्चा के पश्चात् उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं उनकी धर्मपत्नी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. कुसुम बहन,निर्देशिका,ब्रह्माकुमारीज़ बोकारो तथा ब्र.कु. सुमन बहन,पांडव भवन।